

सलोकु ॥

मनि साचा मुखि साचा सोइ ॥
अवरु न पेखै एकसु बिनु कोइ ॥
नानक इह लछण ब्रह्मु
गिआनी होइ ॥१॥

असटपदी ॥

ब्रह्म गिआनी सदा निरलेप ॥
जैसे जल महि कमल अलेप ॥
ब्रह्म गिआनी सदा निरदोख ॥
जैसे सूरु सरब कउ सोख ॥
ब्रह्म गिआनी कै द्रिसटि समानि ॥
जैसे राज रंक कउ लागै तुलि पवान ॥
ब्रह्म गिआनी कै धीरजु एक ॥
जिउ बसुधा कोऊ खोदै कोऊ चंदन लेप ॥
ब्रह्म गिआनी का इहै गुनाउ ॥
नानक जिउ पावक का सहज सुभाउ
॥१॥

ब्रह्म गिआनी निरमल ते निरमला ॥
जैसे मैलु न लागै जला ॥
ब्रह्म गिआनी कै मनि होइ प्रगासु ॥
जैसे धर ऊपरि आकासु ॥
ब्रह्म गिआनी कै मित्र सत्रु समानि ॥
ब्रह्म गिआनी कै नाही अभिमान ॥
ब्रह्म गिआनी ऊच ते ऊचा ॥
मनि अपनै है सभ ते नीचा ॥
ब्रह्म गिआनी से जन भए ॥
नानक जिन प्रभु आपि करेइ
॥२॥

ब्रह्म गिआनी सगल की रीना ॥
आतम रसु ब्रह्म गिआनी चीना ॥
ब्रह्म गिआनी की सभ ऊपरि मइआ ॥
ब्रह्म गिआनी ते कछु बुरा न भइआ ॥
ब्रह्म गिआनी सदा समदरसी ॥
ब्रह्म गिआनी की द्रिसटि अंम्रित बरसी ॥
ब्रह्म गिआनी बंधन ते मुक्ता ॥
ब्रह्म गिआनी की निरमल जुगता ॥
ब्रह्म गिआनी का भोजनु गिआन ॥
नानक ब्रह्म गिआनी का ब्रह्म धिआनु
॥३॥

ब्रह्म गिआनी एक ऊपरि आस ॥
ब्रह्म गिआनी का नही बिनास ॥
ब्रह्म गिआनी कै गरीबी समाहा ॥
ब्रह्म गिआनी परउपकार उमाहा ॥
ब्रह्म गिआनी कै नाही धंधा ॥
ब्रह्म गिआनी ले धावतु बंधा ॥
ब्रह्म गिआनी कै होइ सु भला ॥
ब्रह्म गिआनी सुफल फला ॥
ब्रह्म गिआनी संगि सगल उधारु ॥
नानक ब्रह्म गिआनी जपै सगल संसारु ॥
॥४॥

ब्रह्म गिआनी कै एकै रंग ॥
ब्रह्म गिआनी कै बसै प्रभु संग ॥
ब्रह्म गिआनी कै नामु आधारु ॥
ब्रह्म गिआनी कै नामु परवारु ॥
ब्रह्म गिआनी सदा सद जागत ॥
ब्रह्म गिआनी अहंबुधि तिआगत ॥
ब्रह्म गिआनी कै मनि परमानंद ॥
ब्रह्म गिआनी कै घरि सदा अनंद ॥
ब्रह्म गिआनी सुख सहज निवास ॥
नानक ब्रह्म गिआनी का नही बिनास
॥५॥

ब्रह्म गिआनी ब्रह्म का बेता ॥
ब्रह्म गिआनी एक संगि हेता ॥
ब्रह्म गिआनी कै होइ अचिंत ॥
ब्रह्म गिआनी का निरमल मंत ॥
ब्रह्म गिआनी जिसु करै प्रभु आपि ॥
ब्रह्म गिआनी का बड परताप ॥
ब्रह्म गिआनी का दरसु बडभागी पाईऐ ॥
ब्रह्म गिआनी कउ बलि बलि जाईऐ ॥
ब्रह्म गिआनी कउ खोजहि महेसुर ॥
नानक ब्रह्म गिआनी आपि परमेसुर
॥६॥

ब्रह्म गिआनी की कीमति नाहि ॥
ब्रह्म गिआनी कै सगल मन माहि ॥
ब्रह्म गिआनी का कउन जानै भेदु ॥
ब्रह्म गिआनी कउ सदा अदेसु ॥
ब्रह्म गिआनी का कथिआ न जाइ अधाख्यरु ॥
ब्रह्म गिआनी सब का ठाकुरु ॥
ब्रह्म गिआनी की मिति कउनु बखानै ॥
ब्रह्म गिआनी की गति ब्रह्म गिआनी जानै ॥
ब्रह्म गिआनी का अंतु न पारु ॥
नानक ब्रह्म गिआनी कउ सदा नमसकारु
॥७॥

ब्रह्म गिआनी सभ स्रिसटि का करता ॥
ब्रह्म गिआनी सद जीवै नही मरता ॥
ब्रह्म गिआनी मुकति जुगति जीअ का दाता ॥
ब्रह्म गिआनी पूरन पुरखु बिधाता ॥
ब्रह्म गिआनी अनाथ का नाथु ॥
ब्रह्म गिआनी का सभ ऊपरि हाथु ॥
ब्रह्म गिआनी का सगल अकारु ॥
ब्रह्म गिआनी आपि निरंकारु ॥
ब्रह्म गिआनी की सोभा ब्रह्म गिआनी बनी ॥
नानक ब्रह्म गिआनी सब का धनी
॥८॥८॥